भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या †1236
दिनांक 03.12.2024 को उत्तरार्थ

ई-पंचायत मिशन परियोजना

1236. डॉ. कडियम काव्य:

क्या पंचायती राज मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राज्य-वार, विशेषकर तेलंगाना में कितने और प्रतिशत डाकघरों में कम्प्यूटर और इंटरनेट कनेक्शन है;
(ख) सरकार द्वारा पंचायत संस्थाओं और कार्यालयों के डिजिटाइजेशन के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;
(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान ई-पंचायत मिशन मोड परियोजना के संबंध में वार्षिक बजट आबंटन और अंतिम व्यय कितना रहा है;
(घ) ई- पंचायत मिशन मोड परियोजना के परिणाम की स्थिति क्या है?

उत्तर

पंचायती राज राज्य मंत्री

(प्रोफ. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) राज्यों द्वारा अपनी वार्षिक कार्य योजना में दी गई सूचना के अनुसार कंप्यूटर युक्त ग्राम पंचायतों (जीपी) की संख्या और उनका प्रतिशत, तथा दूरसंचार विभाग की भारतनेट परियोजना के अंतर्गत तेलंगाना राज्य सहित सेवा के लिए तैयार ग्राम पंचायतों की संख्या**अनुबंध-I**में देखी जा सकती है। सेवा के लिए तैयार ग्राम पंचायतों के आंकड़े भारतनेट यूएनएमएस डैशबोर्ड से लिए गए।

(ख) डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत, पंचायती राज मंत्रालय देश के सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में ई-पंचायत मिशन मोड परियोजना (एमएमपी) को लागू कर रहा है। इसका उद्देश्य पंचायतों के कामकाज में सुधार लाना और उन्हें अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाना है। मंत्रालय ने पंचायत की आयोजना, लेखांकन और बजटन जैसे कार्यों को सरल बनाने के लिए एक लेखा एप्लिकेशन ई-ग्राम स्वराज शुरू किया है। मंत्रालय ने ग्राम पंचायतों (जीपी) के लिए विक्रेताओं/सेवा प्रदाताओं को वास्तविक समय पर भुगतान करने के लिए ई-ग्राम स्वराज को सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के साथ भी एकीकृत किया है। अब तक, वर्ष 2024-25 के लिए 2,54,508 ग्राम पंचायत विकास योजनाएं (जीपीडीपी) तैयार की गई हैं और ई-ग्राम स्वराज में उपलब्ध हैं।

इसके अलावा, पंचायत खातों के ऑनलाइन ऑडिट और उनके वित्तीय प्रबंधन के लिए एक एप्लिकेशन' ऑडिटऑनलाइन' विकसित किया गया है।अप्रैल 2020 में लॉन्च किया गया ऑडिटऑनलाइन पोर्टल, केंद्रीय वित्त आयोग के धन के उपयोग की पारदर्शी ऑडिटिंग की सुविधा प्रदान करता हैऔर पंचायतों के वित्तीय प्रबंधन को म जबूत करता है। साथ ही, मंत्रालय द्वारा विकसित 'मेरी पंचायत' जैसे एप्लिकेशन ने पंचायत में योजना, गतिविधियों और कार्यों की प्रगति की जानकारी जनता तक पहुंचाकर पंचायत प्रशासन में पारदर्शिता लाने का प्रयास किया है। इसी प्रकार, 'पंचायत निर्णय' एक ऑनलाइन एप्लिकेशन है जिसका उद्देश्य पंचायतों द्वारा ग्राम सभाओं के संचालन में पारदर्शिता और बेहतर प्रबंधन लाना है।

उच्च बैंडविड्थ क्षमता प्रदान करने, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में मोबाइल सेवाओं और ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के विस्तार के लिए, देश में सभी ग्राम पंचायतों (लगभग 2,55,000) को जोड़ने के लिए नेटवर्क बनाने के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा चरणबद्ध तरीके से भारतनेट परियोजना लागू की जा रही है।भारतनेट परियोजना का मुख्य लक्ष्य पूरे भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में हाई-स्पीड इंटरनेट प्रदान करना है। भारतनेट परियोजना के अंतर्गतसेवाएं प्रदान करने के लिए उपलब्ध सेवा के लिए तैयार ग्राम पंचायतों की राज्य/केंद्र शासित प्रदेश-वार सूची **अनुबंध-I** में दिया गया है। एक ग्राम पंचायत में एक से अधिक सेवा तैयार बिंदु हो सकते हैं।

(ग) ई-पंचायत मिशन मोड परियोजना के अंतर्गत ई-पंचायत एप्लीकेशनों के रखरखाव के लिए केंद्रीय स्तर पर सहायता हेतु नेशनल इंफोरमेटिक्स सेंटर सर्विसिस इन्कॉर्पोरेटेड (एनआईसीएसआई) को धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है। ई-पंचायत मिशन मोड परियोजना पर वर्षवार वार्षिक व्यय**अनुबंध-II**में दिया गया है।

(घ) अब तक, 2.54 लाख ग्राम पंचायतों ने वर्ष 2024-25 के लिए अपनी ग्राम पंचायत विकास योजनाएँ (जीपीडीपी) तैयार करके ई-ग्राम स्वराज पर अपलोड कर दी हैं। 15वें वित्त आयोग के तहत, 2.45 लाख ग्राम पंचायतों ने वर्ष 2023-24 के दौरान ऑनलाइन लेनदेन किया है। सभी राज्य अपने उपलब्ध संसाधनों के आधार पर ई-पंचायत एमएमपी को लागू करने के प्रयास कर रहे हैं जिससे पीआरआई के कामकाज में राज्यों द्वारा डिजिटल एप्लीकेशनों को अपनाने के संबंध में पर्याप्त सुधार हुआ है।

अनुबंध- I

कंप्यूटर और इंटरनेट कनेक्शन वाली ग्राम पंचायतों की राज्यवार स्थिति

क्र.सं.	राज्य का नाम	कुल जीपी/टीएलबी (एलजीडी के अनुसार)	कंप्यूटर युक्त ग्राम पंचायतें	कंप्यूटर युक्त ग्राम पंचायतों का %	सेवा के लिए तैयार ग्राम पंचायतें *	सेवा के लिए तैयार ग्राम पंचायतों का %
1	आंध्र प्रदेश	13327	9556	72%	12972	97%
2	अंडमान और निकोबार	70	70	100%	81	100%
3	अरुणाचल प्रदेश	2108	972	46%	1133	54%
4	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	42	42	100%	41	98%
5	असम	2662	1510	57%	1634	61%
6	लक्षद्वीप	10	0	0%	9	90%
7	बिहार	8054	8053	100%	8860	100%
8	लद्दाख	193	129	67%	193	100%
9	छत्तीसगढ	11648	5752	49%	9759	84%
10	पुदुचेरी	108	0	0%	101	94%
11	गोवा	191	191	100%	0	0%
12	गुजरात	14656	14546	99%	14559	99%
13	हरियाणा	6223	1725	28%	6204	100%
14	हिमाचल प्रदेश	3615	3415	94%	416	12%
15	जम्मू और कश्मीर	4291	4291	100%	1115	26%
16	झारखंड	4345	3312	76%	4649	100%
17	कर्नाटक	5953	5953	100%	6251	100%
18	केरल	941	941	100%	1130	100%
19	मध्य प्रदेश	23011	22722	99%	18106	79%
20	महाराष्ट्र	27951	26998	97%	24778	89%
21	मणिपुर	3812	161	4%	1479	39%
22	मेघालय	6832	4729	69%	696	10%
23	मिजोरम	843	261	31%	535	63%
24	नागालैंड	1315	595	45%	236	18%
25	ओडिशा	6794	6794	100%	7099	100%
26	पंजाब	13238	0	0%	12807	97%
27	राजस्थान	11218	11208	100%	8997	80%
28	सिक्किम	199	149	75%	54	27%
29	तमिलनाडु	12525	10100	81%	10295	82%
30	तेलंगाना	12771	4436	35%	10926	86%
31	त्रिपुरा	1192	701	59%	772	65%
32	उत्तर प्रदेश	57702	57702	100%	47434	82%
33	उत्तराखंड	7795	2805	36%	2021	26%
34	पश्चिम बंगाल	3339	3339	100%	2958	89%

*** जानकारी यूएनएमएस डैशबोर्ड पर उपलब्ध डेटा पर आधारित है। कुछ ग्राम पंचायतों में अनेक सर्विस बिंदु हो सकते हैं।**

अनुबंध –II

ई-पंचायत मिशन मोड परियोजना पर वार्षिक व्यय का विवरण

(राशि करोड़ रुपए में)

वित्त वर्ष	**बजट अनुमान (ब.अ.)**	**संशोधित अनुमान (सं.अ.)**	**वास्तविक व्यय**
2021-22	20	11.71	11.71
2022-23	20	15	15
2023-24	20	16.28	16.03